[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 310 **D** **आपका रोल नंबर .....**

Unique Paper Code : 205340

Name of the Course : **B.A. (Prog.) बी. ए. पाठ्यक्रम**

Name of the Paper : Modern Indian Language : Hindi-B
आधुनिक भारतीय भाषा : हिन्दी 'ख'

Semester : III

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (8+8=16)

(क) कम हो रहा है मिलना-जुलना
कम हो रही है लोगों की जान-पहचान
सुख-दुख में भी पहले की तरह इकट्ठे नहीं होते लोग
तार से आ जाती है बधाई और शोक-संदेश

बाबा को जानता था सारा शहर
पिता को भी चार मोहल्ले के लोग जानते थे
मुझे नहीं जानता मेरा पड़ोसी मेरे नाम से
अब सिर्फ एलबम में रहते हैं
परिवार के सारे लोग एक साथ
टूटने की इस प्रक्रिया में क्या-क्या टूटा है
कोई नहीं सोचता... ।

(i) यह काव्यांश किस कविता से लिया गया है और इसके कवि का नाम क्या है ?

(ii) कवि के अनुसार 'सामाजिक मेलजोल' की स्थिति किस तरह बदल रही है ?

(iii) 'अब सिर्फ़ एलबम में रहते हैं परिवार के सारे लोग एक साथ' - इसके द्वारा कवि क्या कहना चाहता है ?

(iv) टूटने की इस प्रक्रिया में क्या-क्या टूटा है ?

(ख) आज भी किसी परिचित या अपरिचित के घर में मेरी पीढ़ी के लोगों की आँखें निजी पुस्तकालय खोजने लगती हैं। यही कारण है कि हम लोगों के पुस्तकालयों में एक-दूसरे की खरीदी हुई कुछ ऐसी पुस्तकें अवश्य सुशोभित नज़र आती हैं, जिन्हें हम जान-बूझकर लौटाना भूल गए। तब के लोगों की स्मृति में जो गंध सबसे ज़्यादा तीव्रता से उपस्थित रही वह थी पुस्तक-गंध। वे किताबों को पढ़ना ही नहीं, सूँघना भी पसंद करते थे। बल्कि कुछ को तो वह सूँघ-साँघकर ही पढ़ा हुआ मान लेते थे। तब के कुछ लोगों का बस चलता तो पुस्तकों को सूँघते ही नहीं, चखते भी। 'पुस्तक चाटना' और 'पुस्तक घोंटकर पी जाना' जैसे मुहावरे इसी दमित इच्छा से उपजे थे शायद। सच तो यह है कि तब के लोगों को पुस्तक से प्यार हो गया था।

(i) प्रस्तुत अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है और इसके लेखक कौन हैं ?

(ii) कुछ पुस्तकों को 'जान-बूझकर लौटाना भूल' जाने का कारण बताइए।

(iii) "कुछ को तो वह सूँघ-साँघकर ही पढ़ा हुआ मान लेते थे" - इस कथन का अभिप्राय क्या है ?

(iv) 'पुस्तक चाटना' और 'पुस्तक घोंटकर पी जाना' में से किसी **एक** मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(ग) कुछ दिनों बाद जगदीश बाबू का एकाकीपन दूर हो गया। उन्हें अब चौक, कैफे ही नहीं सारा शहर अपनेपन के रंग में रँगा हुआ सा लगने लगा। परन्तु अब उन्हें यह बार-बार 'दाज्यू' कहलाना अच्छा नहीं लगता और यह मदन था कि दूसरी टेबल से भी 'दाज्यू'...।

'मदन! इधर आओ।'

'आया दाज्यू !'

'दाज्यू' शब्द की आवृत्ति पर जगदीश बाबू के मध्यवर्गीय संस्कार जाग उठे - अपनत्व की पतली डोरी 'अहं' की तेज़ धार के आगे न टिक सकी।

'दाज्यू, चाय लाऊँ ?'

'चाय नहीं, लेकिन यह दाज्यू-दाज्यू क्या चिल्लाते रहते हो दिन-रात। किसी की 'प्रेस्टिज' का ख्याल भी नहीं है तुम्हें ?'

जगदीश बाबू का मुँह क्रोध के कारण तमतमा गया, शब्दों पर अधिकार नहीं रह सका। मदन 'प्रेस्टिज' का अर्थ समझ सकेगा या नहीं, यह भी उन्हें ध्यान नहीं रहा, पर मदन बिना समझाए ही सब कुछ समझ गया था।

मदन को जगदीश बाबू के व्यवहार से गहरी चोट लगी।

(i) प्रस्तुत गद्यांश किस कहानी से लिया गया है ? उसके लेखक का नाम लिखिए।

(ii) 'अपनत्व की पतली डोरी' 'अहं की तेज़ धार के आगे न टिक सकी' - इस कथन के द्वारा लेखक क्या कहना चाहता है ?

(iii) मदन को जगदीश बाबू के व्यवहार से गहरी चोट क्यों लगी ?

(iv) 'दाज्यू' कौन-सी बोली का शब्द है और इसका अर्थ क्या है ?

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (3×3=9)

(क) "धोबी, पासी, चमार, तेली/खोलेंगे अँधेरे का ताला" कहने से निराला का अभिप्राय क्या है ?

(ख) 'वे दिन' संस्मरण के आधार पर प्रेमचंद और प्रसाद के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'स्वयंभू महापंडित के अनुसार राहुल जी की तीसरी तिब्बत यात्रा कब हुई ? उसमें कितनी पुस्तकें खोजी गईं ?

(घ) 'गांधी जी और भाषा-समस्या' के आधार पर बताइए कि हिन्दी और उर्दू के बारे में गांधी जी के क्या विचार थे ?

(ङ) 'कॉफी हाऊस' पाठ में भारत के विभिन्न शहरों के कॉफी हाऊसों में क्या अंतर बताया गया है ?

3. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (6×3=18)

(क) हिंदी शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसकी व्युत्पत्ति पर प्रकाश डालिए।

(ख) हिंदी के विकास पर प्रकाश डालिए।

(ग) अवधी, ब्रज अथवा भोजपुरी में से किसी **एक** बोली का सामान्य परिचय दीजिए।

(घ) पश्चिमी हिंदी पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

4. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (6×3=18)

(क) भाषा को लिपि की ज़रूरत क्यों पड़ती है ? लिपि इसे कैसे पूरा करती है ?

(ख) लिपि के विकसित होने की प्रक्रिया का विवेचन कीजिए।

(ग) 'देवनागरी' लिपि की विकास-यात्रा का परिचय दीजिए।

(घ) 'देवनागरी' लिपि की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

5. शब्द-शक्ति क्या होती है ? शब्द-शक्ति के प्रमुख भेदों का सामान्य परिचय दीजिए। (6)

अथवा

लक्षणा और व्यंजना शब्द-शक्ति में अंतर स्पष्ट कीजिए।

6. (क) "सपने में तुम नित आते हो, मैं हूँ अति सुख पाती।/मिलने को उठती हूँ, सौतन आँख प्रथम उठ जाती।" इन काव्य-पंक्तियों में लाक्षणिक प्रयोग का विश्लेषण कीजिए। (4)

(ख) 'बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।/पंथी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर॥' इन पंक्तियों में व्यंजित अर्थ स्पष्ट कीजिए। (4)